वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून परिसर में "हिमालय दिवस" दिनांक 09 सितंबर 2019 को मनाया गया। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का अयोजन किया गया जिसका विषय था "हिमालय का विज्ञान" । इस प्रदर्शनी का आयोजन वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा किया गया था जिसमें संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा हिमालयी क्षेत्रों में किए गए अनुसंधान से संबंधित कार्यों को दिखाया गया। हिमालय दिवस मनाने की शुरूआत प्रख्यात पर्यावरणविदों द्वारा वर्ष 2010 में की गई थी। वर्ष 2014 में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा 09 सितंबर को हिमालय दिवस के रूप में घोषित किया गया था। वन अनुसंधान संस्थान वनस्पति एवं जीव, जलवायु परिवर्तन अध्ययन तथा हिमालय की जल विज्ञान से संबंधित हिमालयी पारिस्थितिकी में सुधार एवं पुनःस्थापन हेतू अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर कार्यरत है । श्री अरूण सिंह रावत, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान ने गहन दिलचस्पी लेते हुए सभी हितधारकों एवं वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विघार्थियों को जागरूक करने के मकसद से इस कार्यक्रम को आयोजन करवाया। उन्होंने आम लोगों एवं पर्यावरण कार्यकर्ताओं को जागरूक करने पर भी जोर दिया।

डाॅ मोहम्मद युसूफ, वैज्ञानिक-जी एवं कार्यकारी निदेशक द्वारा इस प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया की बढती जनसंख्या, शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवास एवं विकास कार्याेंं के कारण हिमालय की अति संवेदनशील जैवतंत्र में आकस्मिक बदलाव आ रहे हैं। डाॅ एन0 बाला, प्रमुख, वन पारिस्थितिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग द्वारा हिमालयी पारिस्थितिकी की विशिष्टता एवं हिमालय पर बोझ कम करने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतू विकल्प खोजने की सलाह दी गई। साथ ही वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों द्वारा ऊतक संवर्धन, संवर्धन प्रबंधन, पुनरूज्जीवन के माध्यम से हिमालय की पारिस्थितिकी में सुधार हेतू किए जा रहे कार्यों को भी पोस्टर के माध्यम से दर्शाया गया। इस कार्यक्रम में व0अ0सं0 सम विश्वविद्यालय के विघार्थियों ने भी बढ चढकर हिस्सा लिया। हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी को आमजन एवं आगंतुकों हेतू भी खुला रखा गया।

Forest Research Institute, Dehradun celebrated “Himalayan day” on 9th September, 2019 in the premises of the FRI. The theme of exhibition was “Science of Himalaya”. The exhibition was organised by Forest Ecology and Climate Change Division of FRI where in research works carried out by the different divisions of Forest Research Institute in Himalayan region were displayed. Himalayan Day was initiated by eminent environmentalist in the region in 2010. The Government of Uttarakhand declared 9th September as Himalayan day in 2014. FRI is working on various aspects of research to restore the Himalayan ecology which includes important flora and fauna, climate change studies and hydrology of Himalaya. Shri Arun Singh Rawat, Director, FRI took keen interest to create awareness about great Himalaya among the various stakeholders and students of FRI University. He advised to sensitize people in general and environmental activists in particular by celebration of this day.

Dr. Mohammad Yusuf, Scientist G and Director in Charge, FRI inaugurated the exhibition and emphasised that Himalayan fragile ecosystem is experiencing abrupt changes due to population pressure, their migration to urban areas and developmental activities initiated to sustain them. Sh. N. Bala, Head, Forest Ecology and Climate Change Division explained the uniqueness of Himalayan ecosystem and suggested to find out alternatives to reduce the burden on Himalayas and conservation of natural resources. Scientists and Officers of Forest Ecology and Climate Change Division, FRI explained the work on restoring the ecology of Himalayas, Impact of Forest Fire, Hydrological studies of ecosystem services provided by Himalaya and work done by various division to improve the ecology of Himalaya by means of Tissue culture, Tree improvement, Silviculture management, regeneration, NTFPs of Himalayas. Various Divisions of the Institute also displayed their research works relevant to the Himalayan Ecosystem. The students of FRI Deemed to be University also participated in the exhibition organised in FRI main building. The exhibition was opened for all the visitors on the occasion of Himalayan Day celebration at FRI.